कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय ....गृह विज्ञान....

परीक्षा का दिन ....शुक्रवार....

दिनांक ....29-3-19....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

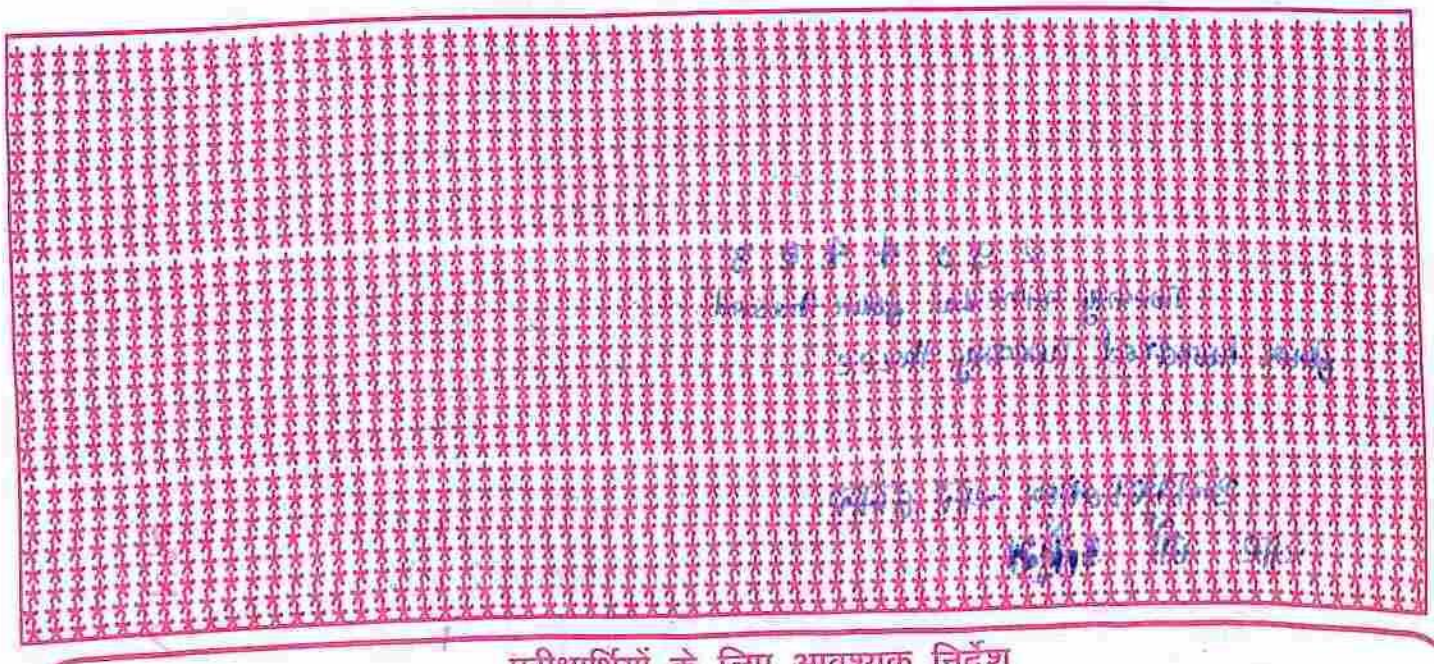

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरुप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर:-1 एड्स का विस्तृत रूप एक्वायड इम्योनो डेफीसियनसी सिन्ड्रोम है।

उत्तर:-2 किशोर के जीवन का कार्य सर्वाधिक कठिन होता है वह कैरियर चुनाव करना है।

उत्तर:-3 संवेगात्मक अस्थिरता :- संवेगात्मक अस्थिरता हार्मोंस के बढ़ने या बदलने के कारण होती है। किसी विशिष्ट अवस्था मे शारीरिक व मानसिक शारीरिक परिवर्तन या विकास द्वारा जिससे व्यक्ति के संवेग अस्थिर हो जाते है। संवेग अस्थिर के कारण व्यक्ति प्राय: क्रोधित, चिड़चिड़ा हो जाता है

उत्तर:-4 आहार आयोजन :- आहार आयोजन है। परिवार को सभी सदस्यो की पौषणिक आवश्यकता की पूर्ति करना तथा इसके साथ ही आहार आयोजन मे भोजन बनाने, संतुलित भोजन उपलब्ध कराने तथा परोसना आदि सिखाया या बताया जाता है यह आयोजन कहलाता है।

उत्तर:-5 पीने योग्य जल के PH का मानक सीमा 6.5 - 7.5 है

उत्तर:-6 सन्दर्भ ईकाई :- प्राय: खाद्य पदार्थ की छोटी से छोटी मात्रा जो खाद्य पदार्थ या भोज्य पदार्थ बनाने मे प्रयुक्त की जाती है सन्दर्भ ईकाई कहलाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर:-7 गर्भावस्था की समयावधि 9 महीने होते है

उत्तर:-8 थ्रेड टेंशन डिवाइस :- यह डिवाइस सिलाई मशीन में ~~प्रयोग~~ होता है यह मुख्य प्लेट में लगा होता है यह प्राय: जुते के समान प्रतीत होता है इससे कपड़ा दबाया जाता है। सिलाई मशीन के प्रयोग के बाद उसे उठा देना चाहिए।

उत्तर:-9 तैयार पोशाक खरीदने के दो आधार है।

1) तैयार पोशाक को खरीदते समय इसके नाप को देख लेना चाहिए। क्योंकि यदि पोशाक का नाप सही नही होगा तो वह शरीर पर अच्छी नही लगेगी।
2) तैयार पोशाक को खरीदते समय इसके रंग अर्थात रंग पक्के है या नही। बटन, चुन्नट सही प्रकार से है या नही।

उत्तर:-10 वस्त्र संग्रहण करते समय कपूर, नैपथेलिन, फोलिक, फनाइल तथा नीम की पत्ती का इस्तेमाल करना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर :-11 वास्तविक आय :- वास्तविक आय को अमौद्रिक आय भी कहते है। यह प्रायः किसी निश्चित अवधि किसी और द्वारा या मूल्य द्वारा प्राप्त होती है। यह त्यौहार पर, कम्पनी द्वारा, मित्रो द्वारा प्राप्त होती है। यह वास्तविक आय है
वास्तविक आय दो प्रकार की होती है
i) प्रत्यक्ष आय ii) अप्रत्यक्ष आय

उत्तर :-12 ~~विनियोग :- परिवारिक~~

उत्तर :-12 विनियोग :- परिवार द्वारा बचत पूंजी को किसी विशेष चीजो मे लगाना जिससे लाभ के साथ उनके आय की भी वृद्धि हो, विनियोग कहलाता है। कोई सोना मे, ट्रेक्टर, ओटो खरीदने, डाकघर या बैंक मे जमा करके उसके ब्याज का लाभ आदि मे विनियोग करते है।

उत्तर :-13 उपभोक्ता :- उपभोक्ता प्राय वह हर व्यक्ति कहलाता है जैसे, बच्चा, प्रौढ़, कोई अधिकारी व्यापारी आदि। हम प्राय: जन्म के बाद ही किसीन किसी वस्तु को उपभोग करते रहते है। "क्रय शक्ति द्वारा किसी भी वस्तु को उपलब्ध कर उसका उपभोग करना उपभोक्ता कहलाता है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1) ~~असुरक्षित जल पीने से शरीर में कई~~

1) असुरक्षित जल तलाब, नदी आदि मे डाली गई गंदगी के कारण जल असुरक्षित हो जाते
2) मनुष्य द्वारा तथा अपशिष्ट पदार्थों निष्कासन
3) मृत जीव व पशु को पानी मे डालने के कारण
4) फैक्ट्रीयियो द्वारा डाली गई गंदगी आदि कई कारणो जल असुरक्षित जल हो जाता है।

i) कई बार इसका उपयोग करने से पाचन तंत्र मे गड़बड़ी हो जाती है,
ii) शरीर कई प्रकार के रोगो से ग्रस्त हो जाता है।

उत्तर:-21 सिलाई मशीन के दो पुर्जे के चित्र है

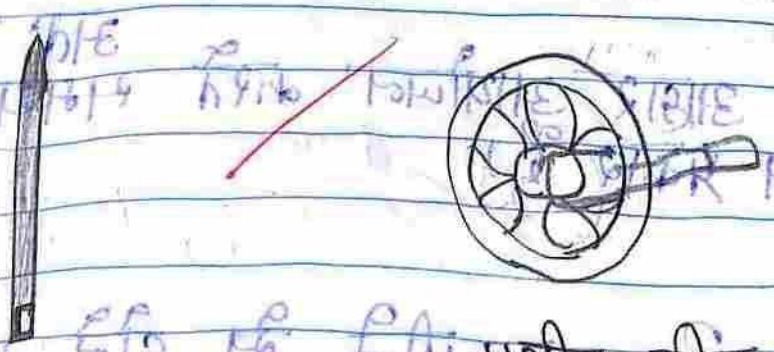

सुई

मशीन व्हील

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर:- 22 शिक्षित उपभोक्ता की दो विशेषता है।

1) शिक्षित उपभोक्ता भ्रामक विज्ञापनों से भ्रमित नहीं होता है।

2) वस्तुओं को खरीदते समय उस पर लगे लेबल तथा उसकी समस्त जानकारी प्राप्त करता है तथा फिर वस्तु खरीदता है। तथा आई.एस.आई F.P.O एगमार्क को देखता है।

उत्तर:- 23 हम अपने परिवार की आय वृद्धि निम्न प्रकार कर सकते हैं।

1) स्वरोजगार :- हमे अपने घर मे ही लघु उद्योग को संचालित कर सकते है तथा घर मे जैसे बडी बनाना, पापड बनाना, आचार बनाना आदि अपने कौशल का उपयोग कर परिवार मे वृद्धि कर सकते है।

2) समय :- स्त्री अपना सभी कार्यों को समय पर निपटाकर परिवार की आय मे वृद्धि कर सकती है जैसे वस्त्र सिलना, बच्चों को पढाना या ट्यूशन पढाना।

3) गार्डनिंग :- घर के बगिचे मे सब्जी लगाकर हम उसमे सब्जी उगा सकते है तथा जिससे हमारी परिवार मे भी आय

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वृद्धि होगी।
अतः हम कई प्रकार से आय की वृद्धि कर सकते है।

उत्तरः ~~14~~ ~~उपभोक्ता द्वारा उपभोक्ता मंच~~ विक्रेता पर

उत्तरः 14 जिला मंच मे 20,00,000 ~~रु~~ के मामले जिला मे प्रस्तुत होते है तथा उपभोक्ता अपनी शिकायत जिला मंच मे कर सकता है इसके लिए उसे एक फार्म भरना पड़ता है तथा यह निशुल्क प्रक्रिया है।

जिला मंच शिकायत प्रारूप

श्रीमान अध्यक्ष महोदय
~~श्री~~ जिला अध्यक्ष

शिकायत कर्ता का नाम
शिकायत किसके खिलाफ है उसका नाम
पुरा विवरण
माह / वर्ष
दिनांक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परन्तु शिकायत करने से पहले एकबार ए.डी.ए द्वारा शिकायत पत्र भिजवा देना चाहिए।

उत्तर:- 25 आहार आयोजन को प्रभावित करने वाले घटक कारक है।

आहार आयोजन :- परिवार के सदस्यो की उनकी पौषणिक आवश्यकता नुसार भोजन उपलब्ध करना आहार आयोजन कहलाता है। आहार आयोजन मे भोजन बनाने परसोने , आदि का वर्णन होता है।

1) पौषणिक आवश्यकता :- परिवार के सभी सदस्य की पौषणिक आवश्यकता भिन्न होती है जिस कारण उन्हे उनकी आयु के अनुसार भोजन उपलब्ध करना चाहिए जैसे बालको , किशोरो वृद्धावस्था , धात्रि माता आदि उनकी पौषणिक आवश्यकता के अनुरूप भोजन उपलब्ध करना चाहिए।

2) पारिवारिक आय :- आहार आयोजन परिवार की आय का भी महत्वपुर्ण स्थान है परन्तु हम कम आय मे भी परिवार को संतुलित भोजन उपलब्ध करा सकते है। जैसे सस्ते फल , सब्जी का प्रयोग करके। अन्य

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वृद्धि होगी।

अतः हम कई प्रकार से आय की वृद्धि कर सकते है।

~~उत्तर:- 14 उपभोक्ता द्वारा उपभोक्ता मंच विक्रेता पर~~

उत्तर:- 14 जिला मंच मे 20,00,000 रू के मामले जिला मे प्रस्तुत होते है तथा उपभोक्ता अपनी शिकायत जिला मंच मे कर सकता है इसके लिए उसे एक फार्म भरना पडता है तथा यह निशुल्क प्रक्रिया है।

जिला मंच शिकायत प्रारूप

श्रीमान अध्यक्ष महोदय
जिला अध्यक्ष

शिकायत कर्ता का नाम
शिकायत किसके खिलाफ है उसका नाम
पुरा विवरण
माह/वर्ष
दिनांक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परन्तु शिकायत करने से पहले एक बार ए.डी.ए द्वारा शिकायत पत्र भिजवा देना चाहिए।

उत्तर: २5 आहार आयोजन को प्रभावित करने वाले छः कारक है।

आहार आयोजन :- परिवार के सदस्यो की उनकी पौषणिक आवश्यकता नुसार भोजन उपलब्ध करना आहार आयोजन कहलता है। आहार आयोजन मे भोजन बनाने परसोने, आदि का वर्णन होता है।

1) पौषणिक आवश्यकता :- परिवार के सभी सदस्य की पौषणिक आवश्यकता भिन्न होती है जिस कारण उन्हे उनकी आयु के अनुसार भोजन उपलब्ध करना चाहिए जैसे बालको, किशोरो वृद्धावस्था, धात्रि माता आदि उनकी पौषणिक आवश्यकता के अनुरूप भोजन उपलब्ध करना चाहिए।

2) पारिवारिक आय :- आहार आयोजन परिवार की आय का भी महत्वपुर्ण स्थान है परन्तु हम कम आय मे भी परिवार को सतुलित भोजन उपलब्ध करा सकते है। जैसे सस्ते फल, सब्जीओ का प्रयोग करके। अन्य

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सस्ते अनाज मक्का, गेहुं, बाजरा का प्रयोग कर तथा दूध का उपयोग कर कम आय में सभी व्यक्तियों को संतुलित आहार उपलब्ध करा सकते है।

3) सदस्यो की रुची :- परिवार के सदस्यो की रूची जानकर ही हम भोजन बनाएँगे जैसे बच्चो को मीठा पसंद होता है तो उनके लिए खीर, कस्टर्ड, हलवा, तथा किशोरों को तीखा पसंद होता है तो उनके लिए पराठा, पुडी, पकोडी आदि देंगे। इस प्रकार आहार आयोजन मे परिवार के सदस्यो की रुचि भी महत्वपूर्ण होती है।

4) विभिन्न विधियो द्वारा :- हम भोजन कई प्रकार की विधियो का उपयोग करके भोजन को बना सकते है जिससे उसके स्वाद मे बदलाव आदि भी हो सके है जैसे सेकना, तलना, खमीरीकरण आदि विधियो द्वारा प्रयोग कर सकते है।

5) समय :- आहार आयोजन मे समय का महत्वपूर्ण स्थान है प्रत्येक आहार के बाद 2 से 3 घण्टे होना चाहिए तथा आहार 7 बजे लेकर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

शाम तक 8 बजे करना चाहिए इस बीच इनमे 2-3 घण्टे का अन्तर होना चाहिए।

परिवार रिती रिवाज :- परिवार के रिती-रिवाज भी आहार आयोजन महत्वपूर्ण होते है, हमारे यहाँ कई परिवार दो बार भोजन करने तथा कई परिवार मे 3 बार भोजन की प्रथा होती है तथा हमारी संस्कृति मे विशेष त्योहार विशेष प्रकार के भोजन बनाए जाते है।

उत्तर-26 बाल्यावस्था मे पोषण सम्बन्धी समस्याओ के निवारण हेतु हम आहार आयोजन मे निम्न बिन्दुओ का ध्यान रखेगे।

1) बच्चो को विभिन्न प्रकार भोजन से अवगत कराएगे। क्योंकि उन्हे जितने अधिक भोजन का पता होगा वह उतने अधिक भोजन प्रति जागरूक रहेगे।

2) बच्चो को स्कूल टिफिन अवश्य देकर भेजेगे तथा बच्चो को पैसे देकर स्कूल नही भेजगे। क्योंकि वह बाहर का बाहिर भोजन करने के कारण टिफिन नही खाएगे। और बिमार पड जाएगे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3) बच्चो को खाने के लिए डाटेंगे नही, क्योंकि डाटने से बच्चे अधिक चिड़चिड़े हो जाते है।

4) यदि बच्चा खुद अपने आपसे भोजन करना चाहता है तो हम उसे करने देंगे।

5) बच्चो को भोजन करने पहले कुरकुरे मुरमुरे, बिस्कुट आदि नही देंगे इससे बच्चो का पेट भर जाएगा और भोजन करेगा।

6) बच्चो को हरी सब्जीयो तथा दूध आदि अलग-अलग प्रकार व अलग-अलग व्यंजन की विधि द्वारा देंगे।

7) बच्चो को प्रोटीन की आवश्यकता अधिक होती है। इसलिए बच्चो को दूध व दूध से बने पदार्थ देंगे।

अतः बाल्यावस्था की पोषण सम्बन्धी समस्यो का निवारण हेतु आहार आयोजन करते समय हम ध्यान देंगे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर:- स्वरोजगार :- अपने ज्ञान व कौशल द्वारा घर में ही लघु उद्योग खोलना जिससे परिवार की आय में वृद्धि हो स्वरोजगार कहलाता है। स्वरोजगार में कोई किसी संस्था के ज्ञान की आवश्यकता नही होती है इसे हम अपने ज्ञान द्वारा चला सकते है तथा इसमें कम पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है। इसलिए इसे मित्रो की सहायता व परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा सहायता से चलाया जा सकता है।

स्वरोजगार का लाभ :-

1) स्वरोजगार से व्यापार चक्रो से मुक्ति मिल जाती है।

2) इसे केवल अपने कौशल ज्ञान द्वारा संचालित किया जा सकता है।

3) इसमे कम पूंजी की आवश्यकता होती है

4) इससे राष्ट्रीय की आय व्यवस्था मे विकास होता है।

5) इसमे प्रत्येक व्यक्ति आय मे वृद्धि होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बनाना। इस प्रकार यह इसका महत्वपूर्ण सिद्धान्त है।

3) कलात्मक ढंग से परोसना :- आहार आयोजन का महत्वपूर्ण सिद्धान्त है यदि भोजन आकर्षक व अच्छे तरह से परोस जाएगा तो देखने व खाने मे अच्छा लगेगा जिससे भूख भी बढ़ जाएगी।

4) पारिवारिक आय :- आहार आयोजन द्वारा कम आय मे संतुलित भोजन उपलब्ध करना। यह इसका महत्वपूर्ण सिद्धान्त है। इस सिद्धान्त अनुसार भोजन कम आय मे भी भोजन संतुलित उपलब्ध कर सकते है। जैसे सस्ते फल व सस्ते सब्जी अनाज, विभिन्न प्रकार के दाले आदि

1) सरकारी दुकान या राशन से सस्ते व अच्छे अनाज व सामग्री खरीदना
2) सस्ते व मौसमी फल का उपयोग
3) हरी सब्जीयां जो सस्ती है उसका उपयोग
4) दाले का प्रयोग ज्यादा कर प्रोटीन आवश्यकता की पूर्ती करना।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर :- वस्त्रो का चयन करते समय हम निम्न बिंदुओ पर ध्यान देंगे।

1) वस्त्र खरीदने से पहले हम हमारी पुरानी पोशाक ले जाएगे जो जिसकी फिटिंग है ले जाएगे और उसके नाप के अनुसार वस्त्र खरीदेंगे। क्योंकि सही नाप वाला वस्त्र जैसे अत्यधिक टाइट या ढीले हमारे व्यक्तित्व आकर्षण को कम करते है

2) हम वस्त्र को उलटा करके देखेगे कि उसके सिलाई पक्की है या नही और कपडा छोडा गया है नही

3) वस्त्रों का चयन करते हम किसी बडे या अपने मित्र को ले जायगे। जिससे हमारे वस्त्र अच्छे से चयन कर सके।

4) वस्त्र हम पर अच्छा लग रहा है या नही इस पर पूरा ध्यान रखेगे तथा ट्राइल रूम मे उसे पहन के देखेगे।

5) वस्त्रो पर तुरपाई सही प्रकार से करी गई हो तथा बटन पट्टी के बटन मजबूत हो उसका ध्यान रखेगे।

6) हम वस्त्रो को थोडा से खींच कर देखेगे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

यदि वस्त्र खींचने से उसके रेशे लम्बे हो जाते है तो वह वस्त्र अधिक टिकाऊ नही है।

७) वस्त्रो का रंग पक्का है या नही इसके लिए उसे पानी मे डालमें यदि रंग कच्चा होगा तो वह निकल जाएगा

8) वस्त्र की कटिंग सही प्रकार कर गई है नही इसका पुरा ध्यान रखे है।

इस प्रकार वस्त्र का चयन करते समय हमें निम्न बिंदुओ को ध्यान मे रखना।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-10/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-165/2019